MODULE NO.1(PART-1) MONTH – JULY, 2020

[HANDOUT]

कक्षा - सातवीं विषय - संस्कृत (तृतीय भाषा)

पंचम - पाठ - पण्डिता रमाबाई

पाठ का सारांश :

प्रस्तुत पाठ 'पण्डिता रमाबाई' महोदया के जीवन को लेकर ही है | समाज सुधारक रमाबाई का जन्म 23 अप्रैल 1858 को हुआ था | उनके पिता का नाम अनन्तशास्त्री डोंगरे तथा माता का नाम लक्ष्मीबाई था | उन्होंने अपनी माता से संस्कृत शिक्षा प्राप्त की | उन्होंने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की | कोलकाता में उन्हें पण्डिता और सरस्वती दो उपाधियों से विभूषित किया| उन्होंने महिलाओं के लिए शास्त्रों की शिक्षा के लिए आंदोलन आरम्भ किया |

उन्होंने 1880 ई. में विपिन बिहारीदास से विवाह किया | गरीब बेसहारा महिलाओं के लिए मुम्बई नगर में शारदा सदन की स्थापना की | यहाँ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता था | इसके बाद पुणे नगर के समीप केडगाँव में 'मुक्ति मिशन' नामक संस्थान की स्थापना की |

उन्हें सात भाषाओं का ज्ञान था | वे संस्कृत की विदुषी थीं | उन्होंने धर्म परिवर्तन किया | उन्होंने ईसाई अपनाकर बाइबल का मराठी भाषा में अनुवाद किया | 1922 ई. में रमाबाई का निधन हो गया | 'स्त्रीधर्मनीति' 'हाई कास्ट हिंदू विमेन' इस प्रकार उनकी दो प्रसिध्द रचनाएँ हैं |